पैसा कोर्स – "हम और हमारी सरकार"
कॉन्सेप्ट नोट

परिचय, एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव

एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, भारत में पारदर्शी शासन और जवाबदेही नीति के कार्यान्वयन में अग्रिम है, जो लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए काम करता है।

एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव कुशल सार्वजनिक सेवा वितरण के विरुद्ध काम करने वाले कारणों को पहचानकर उनका विश्लेषण करके निर्णय लेने वाले नीति निर्माताओं, सेवा प्रदाताओं और नागरिकों को सबूत प्रदान करता है ताकि वे जमीनी वास्तविकता से जुड़े निर्णय लेने में सक्षम हों।

एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव समझता है कि जवाबदेही के लिए एक परिपक्व माहौल तभी बनाया जा सकता है जब निर्णयकर्ता सूचित हों, सेवा प्रदाता जवाबदेही हों तथा नागरिक सशक्त हों । इसी से इनके बीच की गाठें और मजबूत होती हैं।

इसीलिए, एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव की लर्निंग एंड डेवलपमेंट टीम का लक्ष्य इन गाठों को और सशक्त करना तथा व्यवस्थित सीखने के अवसरों जैसे पाठ्यक्रमों, कार्यशालाओं, अनुभव संबंधी कार्यक्रमों के जरिये परिवर्तन को उत्प्रेरित करना है। जो निर्णय लेने वालों, सेवा प्रदाताओं और नागरिकों को सामाजिक क्षेत्र के कार्यक्रमों में भाग लेने और उनकी निगरानी के लिए सक्षम बनाता है।

पैसा कोर्स 'हम और हमारी सरकार' क्या है?

सरकार आम तौर पर समाज के लोगों की बेहतरी के लिए अलग-अलग योजनायें बनाती है। परन्तु अक्सर हम-आप सभी ने यह महसूस किया है कि ये जो सेवाएं हमें मिलती हैं, उनका लाभ हमें बेहतर तरीके से समय पर नहीं मिल पाता है। इससे मालुम चलता है कि सरकार की तरफ से जवाबदेही की बड़ी कमी है। हालांकि सरकारें पारदर्शी, विकेंद्रीकृत और सुव्यवस्थित संरचना के लिए अपनी प्रतिबद्धता निभाने की कोशिश करती हैं। जब हमें सेवाओं का लाभ समय पर बेहतर तरीके से नहीं मिल पाता है, तब हम सरकार को भ्रष्ट कहकर अपना अंतिम निर्णय सुना देते हैं। यदि भ्रष्टाचार को छोड़ दें तो इसके अलावा क्या हमने कभी सरकार के अंदर झाँकने कि कोशिश की है कि क्यों ऐसा है कि शिक्षा में अच्छी गुणवत्ता नहीं है, क्यों पैसा समय पर लाभार्थी को नहीं मिल पाता, आखिर स्वास्थ्य सेवाएं क्यों बेहतर नहीं हो पा रहीं हैं? इन्हीं तरह के कई सवालों के जवाब यह **पैसा कोर्स- 'हम और हमारी सरकार'** हमारे प्रतिभागियों को देता है ताकि हमारे प्रतिभागी सरकार को बहुत करीब से समझें और उसके बाद वे सरकार के साथ और ज्यादा बेहतर तरीके से काम कर सकें।

एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव के इस पैसा कोर्स का पूरा सार यही है कि विकेंद्रीकृत व्यवस्था में सक्रीय जनता की भूमिका किस प्रकार की होनी चाहिए। हमारा कोर्स बताता है कि किस तरह से जनता समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतर सेवा वितरण के लिए अपनी सक्रीय भूमिका निभा सकती है। इसलिए यह कोर्स अपने प्रतिभागियों को पहले सरकार और उसमें कार्य कर रहे नौकरशाहों तथा उनकी क्षमताओं के बारे में बहुत गहराई से समझाता है। नौकरशाहों के बारे में जानने के बाद हमारे प्रतिभागी यह सीखेंगे की सरकार हमें सेवाए प्रदान करने के लिए

पैसा कैसे खर्च करती है, क्यों पैसा जमीनी स्तर पर समय पर नहीं पहुंचा पाता तथा उसमें क्या मुश्किलें हैं। कोर्स के बाद प्रतिभागी इस तरह से विश्लेषण कर पायेंगे कि सार्वजनिक सेवाओं के वितरण के लिए सरकारी एजेंसियों और सार्वजनिक प्राधिकरणों में क्षमता (तकनीकी और प्रशासनिक) और योग्यता (राजनीतिक और संस्थागत) दोनों में यदि कहीं पर जटिलताएं हैं तो वह कहाँ हैं और उन्हें कैसे और बेहतर किया जा सकता है। इस कोर्स में हम इस बात पर भी चर्चा करते हैं कि जनता की संस्थाओं, नागरिकों और पंचायत के रूप में आवाज़ की कमी वास्तव में कहाँ है और कैसे कार्यान्वयन उन्मुख आवाज़ उठाई जा सकती है। इस कोर्स की विशेषता यही है कि यह कोर्स शुरुआत से अंत तक प्रतिभागियों को ज़मीनी हक़ीकत से अवगत करवाता है और उनके खुद के अनुभवों को बुनते हुए उनकी सरकारी कामकाज पर पकड़ को और मजबूत बनाता है। इस पैसा कोर्स को मुख्य रूप से तीन मोड्यूल में बांटा है, जो प्रतिभागियों की सोच को और अधिक विकसित कर पायेगा और उनके अनेकों सवालों के जवाब दे पायेगा।

मोड्यूल 1 - सरकार कौन है?
मोड्यूल 2 - सरकार कैसे चलती है?
मोड्यूल 3 - सरकार और जनता का रिश्ता क्या है?

पैसा कोर्स का उद्देश्य

हमारे प्रतिभागी पहले से ही बेहतर सेवा वितरण के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहीं संस्थाओं में अपनी सेवाएं दे रहें हैं और किसी न किसी रूप में सरकार के साथ जुड़े हैं। ये क्षेत्र कोई भी हो सकते हैं चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, कृषि हो या फिर अन्य कोई क्षेत्र। हमारे पैसा कोर्स का उदेश्य यही है कि एक बेहतर सेवा वितरण प्रणाली की व्यवस्था हो। इसलिए आवश्यक है कि हमारे प्रतिभागी पहले सरकार की प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यवस्था के साथ उसमें काम कर रहे लोगों को भी नजदीकी से समझें। जब हमारे प्रतिभागी सरकार की इस व्यवस्था को अच्छे ढंग से समझ पाएंगे और जान पायेंगे कि वास्तव में समस्याएं कहाँ-कहाँ पर हैं, तभी वे सरकार के साथ जुड़कर ज्यादा बेहतर तरीके से काम कर पायेंगे।

पैसा कोर्स से सीख

- इस कोर्स को सीखने के बाद प्रतिभागी समझ पायंगे कि विकेंद्रीकरण क्या है और साथ ही भारत में विकेंद्रीकरण की आवश्यकता और ज़मीनी हकीकत पर अपनी समझ बना पायेंगे। कोर्स के बाद प्रतिभागी स्वयं विश्लेषण कर पाएंगे कि सरकार और उसमें काम कर रहे नौकरशाह कौन हैं, वह किस परिवेश में काम करते हैं और उनको समझना क्यों जरुरी है। वे समझ पाएंगे कि नौकरशाहों के काम करने के तरीके से सेवा वितरण पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- इस कोर्स के बाद हमारे प्रतिभागी सामाजिक क्षेत्र के कार्यक्रमों, योजनाओं, बजट, निधि प्रवाह और इन सभी में जटिलताओं को समझ पाएंगे। वे समझ पायेंगे कि क्यों पैसा जमीनी स्तर पर समय पर नहीं पहुँच पाता और इसे पहुंचाने में कहाँ पर सरकार की तरफ से चूक हो जाती है, जिससे सेवा वित्तरण पर प्रभाव पड़ता है।
- इस कोर्स में प्रतिभागी यह भी सीखेंगे की सरकार सेवा वितरण में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठा सकती है।
- कोर्स के बाद प्रतिभागी सीख पाएंगे की सरकार के प्रशासनिक एवं वित्तीय ढांचे के साथ-साथ उनके लोगों के साथ कहाँ पर काम करने की आवश्यकता है, जिससे सेवा वितरण और अधिक मजबूत हो पाए।
- इस कोर्स के बाद हमारे प्रतिभागी सीख पाएंगे कि क्यों सरकार को समझने के साथ-साथ जनता तथा उनसे जुड़ी हुई अलग-अलग समस्याओं को भी जानना बहुत आवश्यक है।

- हमारे प्रतिभागी समझ पाएंगे की सामाजिक जवाबदेही क्या होती है और उसके अलग-अलग उपकरण कौन-कौन से हैं। वे सीख पाएंगे की एक बेहतर सेवा वितरण के लिए इन उपकरणों का इस्तेमाल कब, कहाँ और कैसे किया जा सकता है।

लक्षित दर्शक

- हर क्षेत्र में कार्य कर रहीं सामाजिक संस्थाएं
- पंचायत प्रतिनिधि एवं पंचायत अधिकारी

प्रतिभागियों के लिए पात्रता

- न्यूनतम 12वीं पास और सामाजिक क्षेत्र में कम से कम 1-2 वर्षों के कार्य करने का अनुभव
- मौखिक और लिखित रूप में हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में निपुणता

भाषा का माध्यम

दर्शकों को ध्यान में रखते हुए ज्यादातर कोर्स हिन्दी भाषा में किया जाता है इसके अलावा कोर्स के दौरान भी हिंदी भाषा से जुड़ी हुई संसाधन सामग्री इस्तेमाल की जाती है। यदि किसी राज्य से अंग्रेजी भाषा से सम्बंधित प्रशिक्षण के लिए मांग आती है, तो उसके लिए भी हमारे पास सभी विकल्प खुले हैं।

कोर्स हेतु आदर्श समूह

पैसा कोर्स के लिए 20-25 प्रतिभागियों का समूह एक आदर्श समूह होता है, जिससे एक समय में प्रशिक्षण ज्यादा बेहतर होता है।

शिक्षणशास्त्र (Pedagogy)

यह कोर्स एडी (ADDIE) मॉडल के ऊपर आधारित है जो वयस्क शिक्षार्थियों के लिए बनाया गया है। कोर्स में सीखाने के लिए नए-नए तरीकों को इस्तेमाल किया जाता है जैसे गतिविधियाँ, चर्चाएँ, चार्ट पेपर इत्यादि। कोर्स की सभी प्रस्तुतियों (presentations) में आकर्षक ग्राफिक्स का अधिक इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा प्रतिभागियों का मूल्यांकन करने के लिए कोर्स में ही अलग-अलग रचनात्मक तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है।

प्रशिक्षक

पैसा कोर्स मुख्य रूप से संस्था में काम कर रहे पैसा एसोसिएट्स द्वारा किया जाता है। पैसा एसोसिएट्स का पिछले लगभग 8 वर्षों का सरकार के साथ काम करने का अनुभव है। पैसा एसोसिएट्स की अपनी एक ताकत है जो सरकार की पूरी व्यवस्था और उसमें काम करने वाले लोगों को बहुत बारिकी से समझते हैं।

पैसा कोर्स संरचना

कोर्स विकल्प	समयावधि	कोर्स विवरण	असाइनमेंट्स
3-4 दिन	09:00 से 05:00 अथवा 10:00 से 06:00	**पहला दिन-** सरकार क्या है? **दूसरा दिन-** सरकार कैसे चलती है? **तीसरा दिन-** सरकार कैसे चलती है? **चौथा दिन-** सरकार कैसे चलती है? सरकार और जनता का रिश्ता क्या है?	इस अवधि के लिए प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार की असाइनमेंट्स नहीं दी जायेंगी।
तीन अथवा छ: महीने	भागेदारी संस्था के साथ चर्चा के आधार पर	भागेदारी संस्था के साथ चर्चा के आधार पर इस कोर्स को तीन या छ: महीने के अंतराल में बांटा जा सकता है।	इस अवधि के लिए प्रतिभागियों को असाइनमेंट्स दी जायेंगी।

मूल्यांकन

हम प्रतिभागियों के साथ कोर्स देने के बाद करीब 3 महीने तक जुड़े रहते हैं ताकि हम यह अवलोकन कर सकें कि वे कोर्स की सीख को अपने दैनिक कार्य में लागु कैसे कर रहे हैं। यह सहभागिता हल्की होगी, जिसमें एक केन्द्रित समूह चर्चा होगी और दूसरा प्रतिभागियों का एक ऑनलाइन सीखने के समूह का निर्माण होगा। जहाँ वे हमारी टीम के साथ अपने अनुभव और शासन पर काम करने की चुनौतियों को साझा करना जारी रख सकते हैं।

कांटेक्ट

और जानकारी के लिए इस इ-मेल पर संपर्क करें:

humaari.sarkaar@accountabilityindia.org

पूर्व प्रतिभागियों के बोल

“We are working in partnership with the Bihar government (at the State, District, Panchayat levels) to improve pre-primary and primary education in the state. We have used this course- ‘Hum aur Hamaari Sarkaar’ - for our field level staff so that they understand the government structure and systems. We feel this course is the beginning of understanding the government structure, and hope next level modules will be available soon. Appreciate the effort of Accountability Initiative.

Sanjay Kumar Singh, State Head, Pratham, Bihar

पैसा कोर्स करने के बाद शासन और प्रशासन के प्रति मेरे नज़रिए में काफी बदलाव हुआ है। हमें यह ज्ञात हुआ की वर्तमान परिस्थितियों में प्रशासनिक ढांचा किन जटिलताओं के बीच अपना कार्य कर रहे हैं। किसी भी स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही न होने के कारण सेवा वितरण प्रणाली में कई दोष मौजूद हैं, फिर भी यदि आम नागरिक जागरूक हो कर आवाज़ उठाये और सरकार से संवाद स्थापित करे तो मौजूदा सेवा प्रणाली में आवश्यक सुधार हो सकते हैं।

दीपक कुमार सैनी, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, नेहरु युवा केंद्र, राजस्थान

हमें किस काम के लिए किससे बात करनी चाहिए, हमारा अधिकार क्या है और अपने अधिकार के लिए हम कहाँ आवाज उठा सकते हैं या दुसरे लोगों को इसके बारे में बता सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि प्रथम के लोगों को यह कोर्स करना चाहिए।

रूबी कुमारी, ब्लॉक संसाधन सेवी, प्रथम, बिहार

कोर्स के माध्यम से हमने जाना की सरकार कैसे काम करती है, हम टैक्स के रूप में सरकार को जो पैसे दे रहे हैं उनका कहां और कैसे उपयोग किया जा रहा है। हमने जाना की नागरिक अपनी जिम्मेदारी कहां और कैसे निभा सकता है। सरकार के सचिवालय और कार्यालय किस प्रकार से कार्य करते हैं और उनकी क्या जवाबदेही बनती है। जब हमें पहले कोई समस्या आती थी तो सीधे सरकार और उसके प्रशासनिक तंत्र को जिम्मेदार मानते थे लेकिन कोर्स के बाद हमने समस्याओं का पता लगाना आरंभ किया कि कहां पर समस्या अटकतीं हैं और उनका निदान किस प्रकार हो सकता है। अब हम योजनाओं के साथ-साथ लोगों को यह भी बताने लगे हैं कि यदि हमें समस्या होती हैं तो उनको हम किस प्रकार से तय जवाबदेही के माध्यम से सुलझा सकते हैं। इसलिए यह कोर्स हमारे लिए बहुत ही उपयोगी रहा।

ओम प्रकाश शर्मा, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, नेहरु युवा केंद्र, राजस्थान

अभी भी ग्रामीणों में यह धारणा बनी रहती है कि जो भी समस्या है, उसका निवारण सरकार या सरकार के मुख्य शीर्ष व्यक्ति ही कर सकते हैं। यह कोर्स सभी को एक सक्रीय नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। सभी सदस्यों को self-learning बढ़ाने के लिए यह कोर्स करना चाहिए तथा कोर्स करने के पश्चात कार्य करने की सही

समझ हो पाएगी। समस्याओं का समाधान करने में सहूलियत होगी तथा अधिकार एवं कार्य की समझ विकसित होगी जिससे जटिलताओं के बीच भी कार्य कर सकेंगे।

शिवकांत, जिला संसाधन सेवी, प्रथम, बिहार

”